ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:14.06.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-06-14 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	15/06/2024	16/06/2024	17/06/2024	18/06/2024	19/06/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	30.0	29.0	29.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	18.0	16.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	65	65	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	25	25	25	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	12	12	12	12
पवन दिशा (डिग्री)	270	270	270	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 10 मिमी की हल्की वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.0-31.0oC और 15.0-19.0oC के बीच रहने की भविष्यवाणी की गई है। 11-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण-पूर्व और पश्चिम से हवा चलने का अनुमान है। 16 और 17 जून, 2024 को अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। जिले के पूर्वानुमान में 14 और 15 जून को ऑरेंज अलर्ट के साथ कुछ स्थानों पर उष्ण लहर की चेतावनी दी गयी है, जबकि 16 और 17 जून को कुछ स्थानों पर आंधी, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) या उष्ण लहर के बारे में येलो अलर्ट दिया गया है। 18 जून के लिए आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं (50-60 किमी प्रति घंटे) की घटना के संबंध में एक येलो अलर्ट दिया गया है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली संबंधी डेटा के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐपसेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 14.06.2024 से 20.06.2024 के दौरान बड़े पैमाने पर कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम और सामान्य न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और अन्य कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	बुवाई	घाटी और निचली पहाड़ियों में सिंचित परिस्थितियों में नर्सरी तैयार करें। युवा पौध को छायादार जाल से सुरक्षित रखें। जब आवश्यक हो सिंचाई करें।
अरहर	बुवाई/अंकुर विकास	फसल में नियमित निराई-गुड़ाई एवं सिंचाई करनी चाहिए। शेड नेट और शेल्टर बेल्ट का उपयोग करके पौधों को सुरक्षित रखें।
मक्का	बुवाई	निचले एवं मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में मक्के की बुआई पूर्ण कर लेनी चाहिए। एट्राज़िन स्प्रे @50 डब्लू.पी. का उपयोग करके खरपतवारों को नियंत्रित किया जा सकता है। बुआई के 2-3 दिन बाद छाया जाल और आश्रय बेल्ट का उपयोग करके युवा पौधों को सुरक्षित रखें।
झंगोरा/ मंडुआ	बुवाई	ऊंची पहाड़ियों में मंडुआ, झंगोरा, काकुन और रामदाना की पारंपरिक या अधिक उपज देने वाली किस्मों की बुवाई की जानी चाहिए। बुवाई के बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
सोयाबीन	बुवाई	अधिक उपज देने वाली किस्मों की बुआई मध्य एवं निचली पहाड़ियों में की जा सकती है। बुआई के तुरन्त बाद सिंचाई करनी चाहिए। गर्मी के तनाव से बचने के लिए छाया जाल और आश्रय बेल्ट प्रदान करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	तुड़ाई	किसानों को टमाटर की पकी हुई फसल की कटाई कर लेनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग फैलने की संभावना रहती है इसलिए वायरल रोगों को नियंत्रित करने के लिए संक्रमित पौधों को (जब सिकुड़ी हुई गुठलीदार पत्तियाँ दिखाई दें) नष्ट कर दें। फलों की सुरक्षा के लिए पॉलीहाउस या शेडनेट उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
बीन	तुड़ाई	पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करें।
आलू	परिपक्वता	कटी हुई फसल का भण्डारण अच्छे से करना चाहिए।
आड़ू/पुलम	फल बनना/परिपक्वता	फलों का गिरना कम करने के लिए नियमित सिंचाई करनी चाहिए तापमान बनाए रखने के लिए मिट्टी की नमी का संरक्षण करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को छाया में रखें। उचित टीकाकरण प्रदान किया जाना चाहिए। गर्मी के तनाव से बचने के लिए पीने के पानी की नियमित आपूर्ति बनाए रखी जानी चाहिए। शेडों में पंखे और कूलर की व्यवस्था की जानी चाहिए। गर्मी के तनाव से बचने के लिए भैंसों को लोटने के लिए रखा जाना

	चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	फलों के झड़ने को बचाने के लिए बेसिनों में मल्चिंग जैसे मृदा संरक्षण उपाय किए जाने चाहिए और सिंचाई की जानी चाहिए। युवा पौधों और फलदार पौधों में आश्रय बेल्ट, पवन अवरोधक और छाया जाल का उपयोग करें।